

॥ प्रदोषस्तोत्रम् ॥

.. pradoShastotram ..

sanskritdocuments.org

July 25, 2016

---

# Document Information

---

Text title : pradoShastotram

File name : pradosha.itx

Location : doc\_shiva

Author : Traditional

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : WebD

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Latest update : January 01, 2005

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

## ॥ प्रदोषस्तोत्रम् ॥

श्री गणेशाय नमः ।  
 जय देव जगन्नाथ जय शङ्कर शाश्वत ।  
 जय सर्वसुराध्यक्ष जय सर्वसुरार्चित ॥ १ ॥  
 जय सर्वगुणातीत जय सर्ववरप्रद ।  
 जय नित्य निराधार जय विश्वम्भराव्यय ॥ २ ॥  
 जय विश्वैकवन्द्येश जय नागेन्द्रभूषण ।  
 जय गौरीपते शम्भो जय चन्द्रार्धशेखर ॥ ३ ॥  
 जय कोट्यर्कसङ्काश जयानन्तगुणाश्रय ।  
 जय भद्र विरूपाक्ष जयाचिन्त्य निरञ्जन ॥ ४ ॥  
 जय नाथ कृपासिन्धो जय भक्तार्तिभञ्जन ।  
 जय दुस्तरसंसारसागरोत्तारण प्रभो ॥ ५ ॥  
 प्रसीद मे महादेव संसारार्तस्य खिद्यतः ।  
 सर्वपापक्षयं कृत्वा रक्ष मां परमेश्वर ॥ ६ ॥  
 महादारिद्र्यमग्नस्य महापापहतस्य च ।  
 महाशोकनिविष्टस्य महारोगातुरस्य च ॥ ७ ॥  
 ऋणभारपरीतस्य दह्यमानस्य कर्मभिः ।  
 ग्रहैः प्रपीड्यमानस्य प्रसीद मम शङ्कर ॥ ८ ॥  
 दरिद्रः प्रार्थयेद्देवं प्रदोषे गिरिजापतिम् ।  
 अर्थाढ्यो वाऽथ राजा वा प्रार्थयेद्देवमीश्वरम् ॥ ९ ॥  
 दीर्घमायुः सदारोग्यं कोशवृद्धिर्वल्लोन्नतिः ।  
 ममास्तु नित्यमानन्दः प्रसादात्तव शङ्कर ॥ १० ॥  
 शत्रवः संक्षयं यान्तु प्रसीदन्तु मम प्रजाः ।  
 नश्यन्तु दस्यवो राष्ट्रे जनाः सन्तु निरापदः ॥ ११ ॥  
 दुर्भिक्षमारिसन्तापाः शमं यान्तु महीतले ।  
 सर्वसस्यसमृद्धिश्च भूयात्सुखमया दिशः ॥ १२ ॥  
 एवमाराधयेद्देवं पूजान्ते गिरिजापतिम् ।  
 ब्राह्मणान्भोजयेत् पश्चाद्दक्षिणाभिश्च पूजयेत् ॥ १३ ॥  
 सर्वपापक्षयकरी सर्वरोगनिवारणी ।  
 शिवपूजा मयाऽऽख्याता सर्वाभीष्टफलप्रदा ॥ १४ ॥

॥ इति प्रदोषस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Ravin Bhalekar ravibhalekar@hotmail.com

---


This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

.. pradoShastotram ..  
was typeset on July 25, 2016

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

